# छत्तीसगढ़ विधान सभा

# की

# अशोधित कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

**पंचम विधान सभा** **सप्तदश सत्र**

**मंगलवार, दिनांक 18 जुलाई, 2023**

**(आषाढ़ 27, शक सम्वत् 1945)**

**[अंक 01]**

Web copy

## विधान सभा के पदाधिकारी

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष | डॉ. चरणदास महंत |
| उपाध्यक्ष | श्री सन्तराम नेताम |
| सचिव | श्री दिनेश शर्मा |

### सभापति तालिका

1. श्री सत्यनारायण शर्मा,
2. श्री धनेन्द्र साहू,
3. श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह,
4. श्री सौरभ सिंह,
5. श्री बघेल लखेश्वर.

अशोधित/पुनरीक्षण के लिये नहीं

**माननीय राज्यपाल**

श्री विश्व भूषण हरिचन्दन

**मंत्रिमण्डल के सदस्यों की सूची**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री | सामान्य प्रशासन, वित्त, खनिज साधन, जन सम्पर्क, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित ना हो. |
| 02. | श्री टी.एस. सिंहदेव, उप मुख्यमंत्री | लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन, वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.), ऊर्जा |
| 03. | श्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री | गृह, जेल, लोक निर्माण, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी |
| 04. | श्री रविन्द्र चौबे, मंत्री | पंचायत एवं ग्रामीण विकास, संसदीय कार्य, पशुधन विकास, मछली पालन, जल संसाधन, आयाकट, स्कूल शिक्षा, सहकारिता |
| 05. | श्री मोहन मरकाम, मंत्री | आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, |
| 06. | श्री मोहम्मद अकबर, मंत्री | परिवहन, आवास एवं पर्यावरण, वन, विधि एवं विधायी कार्य |
| 07. | श्री कवासी लखमा, मंत्री | वाणिज्यिक कर (आबकारी), वाणिज्य एवं उद्योग |
| 08. | डॉ.शिवकुमार डहरिया, मंत्री | नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम |
| 09. | श्री अमरजीत भगत, मंत्री | खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, संस्कृति |
| 10. | श्रीमती अनिला भेंडिया, मंत्री | महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण |
| 11. | श्री जयसिंह अग्रवाल, मंत्री | राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, वाणिज्यिक कर (पंजीयन एवं मुद्रांक) |
| 12. | श्री गुरू रूद्र कुमार, मंत्री | लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग |
| 13. | श्री उमेश पटेल, मंत्री | उच्च शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण |

## संसदीय सचिवों की सूची

01. श्री चिंतामणी महाराज
02. श्री पारसनाथ राजवाड़े
03. श्रीमती अंबिका सिंहदेव
04. श्री चन्द्रदेव प्रसाद राय
05. श्री द्वारिकाधीश यादव
06. श्री गुरुदयाल सिंह बंजारे
07. श्री इन्द्रशाह मण्डावी
08. श्री कुंवर सिंह निषाद
09. डॉ. (श्रीमती) रश्मि आशिष सिंह
10. श्री रेखचंद जैन
11. सुश्री शकुन्तला साहू
12. श्री शिशुपाल सोरी
13. श्री यू.डी. मिंज
14. श्री विकास उपाध्याय
15. श्री विनोद सेवन लाल चन्द्राकर

.

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

## सदस्यों की वर्णात्मक सूची
## (निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा क्रमांक सहित)

**अ**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | अजय चन्द्राकर | 57-कुरूद |
| 02. | अमरजीत भगत | 11-सीतापुर (अ.ज.जा.) |
| 03. | अरूण वोरा | 64-दुर्ग शहर |
| 04. | अनिता योगेंद्र शर्मा, श्रीमती | 47-धरसींवा |
| 05. | अनिला भेंडिया, श्रीमती | 60-डौंडी लोहारा (अ.ज.जा.) |
| 06. | अंबिका सिंहदेव, श्रीमती | 03-बैकुंठपुर |
| 07. | अमितेश शुक्ल | 54-राजिम |
| 08. | अनूप नाग | 79-अंतागढ़ (अ.ज.जा.) |
| 09. | आशीष कुमार छाबड़ा | 69-बेमेतरा |

**इ**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | इंद्रशाह मण्डावी | 78-मोहला-मानपुर (अ.ज.जा.) |
| 02. | इंदू बंजारे, श्रीमती | 38-पामगढ़ (अ.जा.) |

**उ**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | उत्तरी गनपत जांगड़े, श्रीमती | 17-सारंगढ़ (अ.जा.) |
| 02. | उमेश पटेल | 18-खरसिया |

**क**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | कवासी लखमा | 90-कोन्टा (अ.ज.जा.) |
| 02. | कृष्णमूर्ति बांधी, डॉ. | 32-मस्तूरी (अ.जा.) |
| 03. | किस्मत लाल नंद | 39-सरायपाली (अ.जा.) |
| 04. | कुलदीप जुनेजा | 50-रायपुर नगर उत्तर |
| 05. | कुंवर सिंह निषाद | 61-गुण्डरदेही |
| 06. | के.के.ध्रुव, डॉ. | 24-मरवाही (अ.ज.जा.) |
| 07. | केशव प्रसाद चन्द्रा | 37-जैजेपुर |

**ख**

| | | |
|---|---|---|
| 01 | खेलसाय सिंह | 04-प्रेमनगर |

**ग**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | गुरू रूद्र कुमार | 67-अहिवारा (अ.जा.) |
| 02. | गुरूदयाल सिंह बंजारे | 70-नवागढ़ (अ.जा.) |
| 03. | गुलाब कमरो | 01-भरतपुर-सोनहत (अ.ज.जा.) |

**च**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | चक्रधर सिंह सिदार | 15-लैलूंगा (अ.ज.जा.) |
| 02. | चरणदास महंत, डॉ. | 35-सक्ती |
| 03. | चंदन कश्यप | 84-नारायणपुर (अ.ज.जा.) |
| 04. | चंद्रदेव प्रसाद राय | 43-बिलाईगढ़ (अ.जा.) |
| 05. | चिन्तामणी महाराज | 08-सामरी (अ.ज.जा.) |

**छ**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | छन्नी चंदू साहू, श्रीमती | 77-खुज्जी |

**ज**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | जयसिंह अग्रवाल | 21-कोरबा |

**ट**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | टी.एस.सिंहदेव | 10-अम्बिकापुर |

**ड**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | डमरूधर पुजारी | 55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.) |

**त**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | ताम्रध्वज साहू | 63-दुर्ग ग्रामीण |

**द**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | दलेश्वर साहू | 76-डोंगरगांव |
| 02. | द्वारिकाधीश यादव | 41-खल्लारी |
| 03. | देवती कर्मा | 88-दंतेवाड़ा (अ.ज.जा.) |
| 04. | देवेंद्र यादव | 65-भिलाई नगर |
| 05. | देवेंद्र बहादुर सिंह | 40-बसना |

अप्रकाशित/प्रकाशन के लिए नहीं

**ध**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | धरमलाल कौशिक | 29-बिल्हा |
| 02. | धनेन्द्र साहू | 53-अभनपुर |
| 03. | धर्मजीत सिंह | 26-लोरमी |

**न**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | ननकीराम कंवर | 20-रामपुर (अ.ज.जा.) |
| 02. | नारायण चंदेल | 34-जांजगीर-चांपा |

**प**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | प्रकाश शक्राजीत नायक | 16-रायगढ़ |
| 02. | प्रमोद कुमार शर्मा | 45-बलौदाबाजार |
| 03. | पारसनाथ राजवाड़े | 05- भटगांव |
| 04. | प्रीतम राम, डा. | 09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.) |
| 05. | पुन्नूलाल मोहले | 27-मुंगेली (अ.जा.) |
| 06. | पुरूषोत्तम कंवर | 22-कटघोरा |
| 07. | प्रेमसाय सिंह टेकाम, डॉ. | 06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.) |

**ब**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | बृजमोहन अग्रवाल | 51-रायपुर नगर(दक्षिण) |
| 02. | बृहस्पत सिंह | 07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.) |

**भ**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | भुनेश्वर शोभाराम बघेल | 74-डोंगरगढ़ (अ.जा.) |
| 02. | भूपेश बघेल | 62-पाटन |

**म**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | ममता चंद्राकर, श्रीमती | 71-पण्डरिया |
| 02. | मोहन मरकाम | 83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.) |
| 03. | मोहित राम | 23-पाली-तानाखार(अ.ज.जा.) |
| 03. | मोहम्मद अकबर | 72-कवर्धा |

**य**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | यशोदा नीलाम्बर वर्मा, श्रीमती | 73-खैरागढ़ |
| 02. | यू.डी.मिंज | 13-कुनकुरी (अ.ज.जा.) |

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

**र**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | रजनीश कुमार सिंह | 31-बेलतरा |
| 02. | रंजना डीपेंद्र साहू, श्रीमती | 58-धमतरी |
| 03. | राजमन वेंजाम | 87-चित्रकोट (अ.ज.जा.) |
| 04. | रमन सिंह, डॉ. | 75-राजनांदगांव |
| 05. | रामकुमार यादव | 36-चंद्रपुर |
| 06. | रामपुकार सिंह ठाकुर | 14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.) |
| 07. | रविन्द्र चौबे | 68-साजा |
| 08. | रश्मि आशिष सिंह, डॉ. (श्रीमती) | 28-तखतपुर |
| 09. | रेखचंद जैन | 86-जगदलपुर |
| 10. | रेणु अजीत जोगी, डॉ. (श्रीमती) | 25-कोटा |

**ल**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | लक्ष्मी ध्रुव, डॉ. | 56-सिहावा (अ.ज.जा.) |
| 02. | लखेश्वर बघेल | 85-बस्तर (अ.ज.जा.) |
| 03. | लालजीत सिंह राठिया | 19-धरमजयगढ़ (अ.ज.जा.) |

**व**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | विक्रम मण्डावी | 89-बीजापुर (अ.ज.जा.) |
| 02. | विनय जायसवाल, डॉ. | 02-मनेन्द्रगढ़ |
| 03. | विनय कुमार भगत | 12-जशपुर (अ.ज.जा.) |
| 04. | विकास उपाध्याय | 49-रायपुर नगर पश्चिम |
| 05. | विनोद सेवन लाल चंद्राकर | 42-महासमुन्द |

**श**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | शकुन्तला साहू, सुश्री | 44-कसडोल |
| 02. | शिवरतन शर्मा | 46-भाटापारा |
| 03. | शिवकुमार डहरिया, डॉ. | 52-आरंग (अ.जा.) |
| 04. | शिशुपाल सोरी | 81-कांकेर (अ.ज.जा.) |
| 05. | शैलेश पाण्डे | 30-बिलासपुर |

असंशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

**स**

| | | |
|---|---|---|
| 01. | सत्यनारायण शर्मा | 48-रायपुर ग्रामीण |
| 02. | संतराम नेताम | 82-केशकाल (अ.ज.जा.) |
| 03. | संगीता सिन्हा, श्रीमती | 59-संजारी बालोद |
| 04. | सावित्री मनोज मण्डावी, श्रीमती | 80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.) |
| 05. | सौरभ सिंह | 33-अकलतरा |

| | |
|---|---|
| **66-वैशाली नगर** | **रिक्त** |

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

# छत्तीसगढ़ विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 18 जुलाई, 2023

(आषाढ़ 27, शक संवत् 1945)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई

**{अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए}**

समय :

11.00 बजे

**राष्ट्रगीत/राज्यगीत**

अध्यक्ष महोदय :- अब राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के साथ राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" होगा । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत के लिये कृपया अपने स्थान पर खड़े हों ।

**(राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" और राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" का गायन किया गया)**

समय :

11.03 बजे

**निधन का उल्लेख**

**(1) श्री विद्यारतन भसीन, छत्तीसगढ़ की पंचम विधान सभा के सदस्य.**

**(2) श्री भानुप्रताप सिंह, अविभाजित मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री.**

अध्यक्ष महोदय :- मुझे सदन को सूचित करते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की पंचम विधानसभा के सदस्य, श्री विद्यातन भसीन का दिनांक 23 जून, 2023 तथा अविभाजित मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री, श्री भानुप्रताप सिंह का दिनांक 14 जून, 2023 को निधन हो गया है ।

श्री विद्यातन भसीन का जन्म 27 दिसंबर, 1947 को छिन्दवाड़ा, मध्यप्रदेश में हुआ था। आप प्रारंभ से ही राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे । वे वैशाली नगर निर्वाचन क्षेत्र से प्रथम बार सन् 2013 में तथा दूसरी बार सन् 2018 में भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर छत्तीसगढ़ विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये । आप छत्तीसगढ़ विधान सभा की याचिका समिति के सभापति तथा कई समितियों के सदस्य रहे । वे भिलाई नगर पालिक निगम के महापौर भी रहे । उनकी पढ़ाई, भ्रमण एवं खेल में अभिरूचि थी । उन्होंने अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

उनके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ राजनेता तथा समाजसेवी को खो दिया है ।

अप्रमाणित/प्रकाशन के लिये नहीं

श्री भानुप्रताप सिंह का जन्म 14 मई, 1933 को रायगढ़ राजपरिवार में महाराजा चक्रधर सिंह के यहां हुआ था । वे प्रारंभ से ही राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे । सन् 1967 में घरघोड़ा विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी की टिकट पर अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुये तथा उन्होंने अविभाजित मध्यप्रदेश शासन में आदिमजाति कल्याण मंत्री के पद का दायित्व भी संभाला । सार्वजनिक जीवन में आपकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा ।

उनके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ राजनेता, कुशल प्रशासक तथा समाजसेवी को खो दिया है ।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री विद्यारतन भसीन जी इसी विधान सभा के लगातार 2 बार सदस्य रहे। वे बहुत ही मिलनसार व्यक्ति, मृदुभाषी और अल्पभाषी भी थे। दलगत भावना से ऊपर उठकर उनका संबंध सभी दल के लोगों से था। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इसके बाद भिलाई उनका कार्यक्षेत्र था। उनका जन्म तो छिंदवाडा में हुआ था। वे भिलाई में भारतीय जनता पार्टी में जिले के विभिन्न पदों पर वे आसीन रहे। उनकी सार्वजनिक जीवन की शुरूआत नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में हुई और उसके बाद भिलाई नगर-निगम के महापौर और फिर विधायक के रूप में उन्होंने सेवाएं दीं। अध्यक्ष महोदय, जब उनका स्वास्थ्य खराब था तो मैं उनसे मिलने हॉस्पिटल भी गया था। इतनी बड़ी बीमारी थी, उसके बावजूद भी वे बिल्कुल सहज थे और बातचीत में भी यह नहीं लगता था कि इतनी बड़ी बीमारी उन्हें है, जबकि ब्रेन में कैंसर पहुंच चुका था। डॉक्टरों ने पहले बताया तो मैं मिलने गया था, लेकिन फिर उनसे मिला तो मुझे शंका हुई कि इन्हें यह बीमारी है भी या नहीं? क्योंकि बातचीत में और व्यवहार में वे बिल्कुल सामान्य व्यवहार कर रहे थे। मैंने फिर डॉक्टर से पूछा कि क्या डॉक्टर साहब सच में बीमारी है? वे बोले कि ये ज्यादा दिन के मेहमान नहीं हैं। उन्हें बहुत गंभीर बीमारी है, लेकिन उनका व्यवहार बिल्कुल सहज है। इस प्रकार कठिन से कठिन समय में भी किसी व्यक्ति के लिए सहज व्यवहार करना बहुत महत्वपूर्ण है और भसीन जी के जाने से एक अपूरणीय क्षति हमारी विधान सभा को और साथ ही दुर्ग जिले को और पूरे उस परिवार को भी हुई है। मैं इस दुख में उनके पूरे परिवार के साथ भागीदार हूं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

आदरणीय भानुप्रताप सिंह जी का 90 साल की उम्र में देहावसान हुआ। वे राजा चक्रधर जी के छोटे भाई थे। रायगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराएं हैं, उनको भी भानुप्रताप सिंह जी ने आगे बढ़ाया और उसके साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी वे लगातार सक्रिय रहे। वे इंटक में भी मजदूर संगठन से जुड़े रहे। आदिवासियों के लिए जो संगठन बनाया, उसके माध्यम से जय हिंद मोटर ट्रांसपोर्ट से भी जुड़े रहे और सामाजिक क्षेत्र में लगातार उनकी सक्रियता बनी रही। वे वर्ष 1967 से वर्ष 1972 तक वे विधायक थे और उसी बीच में शासन में वे आदिम जाति कल्याण विभाग के मंत्री भी रहे। इस प्रकार से उनके निधन से एक अपूरणीय क्षति हुई है। अध्यक्ष महोदय, दोनों महानुभावों के जाने से निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को एक अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। मैं राजा भानुप्रताप

सिंह और साथ ही विद्यारतन सिंह भसीन जी के प्रति भी अपने-अपने दल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

नेता प्रतिपक्ष (श्री नारायण चंदेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने 2 लोगों के निधन का उल्लेख किया है। माननीय विद्यारतन भसीन जी की अंत्येष्टि में हम सब लोग शामिल होने के लिए गये थे। जब वे रामकृष्ण केयर अस्पताल में भर्ती थे तो उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए हम सब लोग गये थे। माननीय अध्यक्ष जी, विद्यारतन भसीन जी बहुत सहज, सरल और विनम्र व्यक्तिव के धनी थे। महापौर के रूप में या दो बार छत्तीसगढ़ की विधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने आम जनता की सेवा की। वे भारतीय जनता पार्टी के बहुत निष्ठावान और सक्रिय कार्यकर्ता थे। जब भी हम उनसे मिलने गये, उन्होंने अपनी पीड़ा को हम लोगों के सामने में व्यक्त नहीं किया। वे सहजता से मिलते थे और हंसकर मिलते थे। जब हम लोग मिलने गये तो उनके परिवार के लोग भी वहां पर उपस्थित थे और इतनी बड़ी बीमारी को उन्होंने छिपाकर रखा । अध्यक्ष जी, यह महत्वपूर्ण नहीं है कि व्यक्ति कितने दिन जिया, महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति अपने जीवनकाल को जैसे जिया । उसने समाज को क्या दिया ? उन्होनें एक जनसेवक के रूप में समाज के लिए क्या किया, यह महत्वपूर्ण है ? अध्यक्ष महोदय, भानुप्रताप जी, रायगढ़ राजघराने के थे । रायगढ़ का राजघराना पूरे देश में और पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में संगीत के लिए जाना जाता है । राजा चक्रधर सिंह उस परिवार के मुखिया थे । भानुप्रताप जी मध्यप्रदेश में विधायक रहे, वहां मंत्री रहे । उनके बारे में हमें जितने जानकारी है, उन्होंने हमेशा ही समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के लिए लड़ाई लड़ी । आपने दोनों महानुभावों के निधन का उल्लेख किया, आपकी भावनाओं से हम अपनी भावनाओं को समाहित करते हैं । सम्माननीय विद्यारतन भसीन जी को, सम्माननीय भानुप्रताप जी को अपनी ओर से, अपने दल की ओर से विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं, श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनको अपने श्रीचरणों में स्थान दे ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले, ओम शांति ।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, भसीन जी के साथ हम लोग बहुत वर्षों से काम कर रहे हैं । वे अत्यधिक निष्ठावान् आदमी थे, निष्ठावान् का मतलब सिर्फ राजनीतिक आग्रहों के प्रति नहीं, उनके पास जो भी दायित्व थे और विचारधारा के प्रति भी उनका आग्रह, किसी आम आदमी से बहुत अधिक था । इस कार्यकाल में आपने उनकी बहुत मदद की, हम लोग जानते थे कि वे ऐसे हैं और अधिकतर वे अनुपस्थित रहते थे । हम लोगों ने जब भी उनसे कुछ पूछना चाहा या कोई काम बताया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए, बिना उस बीमारी को अपने ऊपर हावी होने देते हुए, उस काम वे सक्रिय रहते थे । हम लोग सब गए थे, हमने उस बड़े भाई को खोया है जिसके साथ हमने वर्षों काम किया । उनको अपनी ओर से अपने दल की ओर से बहुत विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

माननीय अध्यक्ष जी, छत्तीसगढ़ के संस्कृति के पुरोधा माननीय भूपेश बघेल जी यहां पर उपस्थित हैं । जब मैं थोड़े दिनों के लिए संस्कृति मंत्री था तो मैं राजा भानुप्रताप और दो लोगों से मिलने गया था । तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय रमन सिंह जी को मैंने बताया । राजा चक्रधर सिंह जी ने 4 किताबें लिखीं । मैंने कहा कि उसकी मूल पाण्डुलिपि दे दीजिए, शासन से जितना पैसा लेना है, हम आपको देंगे । नर्तन सर्वस्व, तालतोय निधि ये सब उनकी किताबें हैं । उन्होंने कहा कि मैंने मध्यप्रदेश के समय अशोक बाजपेयी जी को दे दिया था । मैंने वहीं से उनके सामने अशोक बाजपेयी जी को फोन लगाया । ये छत्तीसगढ़ की निधि है और उन किताबों के आधार पर छत्तीसगढ़ की एक बड़ी देन है कि संस्थागत् जो संगीत की शिक्षा शुरू हुई, उसके पीछे यदि कोई है तो राजा चक्रधर जी हैं और आप कृपा करके यह दे दें। काफी लम्बी चर्चा हुई, मैं 2-3 घंटे बैठा रहा । मैंने कलेक्टर रायगढ़ को कहा था कि समय निकालें । दुर्भाग्य है कि छत्तीसगढ़ के उस अमूल्य साहित्य को जानने वाली दोनों पीढ़ियां नष्ट हो गईं । उस समय उनके दोनों पुत्र जीवित थे । जैसा माननीय मुख्यमंत्री जी ने बताया कि विधायक के तौर पर और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति रही । लेकिन उनके अवसान के साथ छत्तीसगढ़ का एक सुनहरा अध्याय, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति को विश्व स्तर पर स्थापित कर सकता था । जो संगीत पर लिखी पहली किताब होती, वह हमसे दूर हो गई । उसकी प्रमाणिकता अब संभव नहीं कि कैसे पूरी होगी ? किंतु आज यह कहने का समय आ गया इसलिए मैंने उस बात का उल्लेख किया । मैं विनम्रता के साथ उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । आज देश के एक वरिष्ठ राजनेता, केरल के मुख्यमंत्री रहे ओमान चांडी जी का भी आज देहावसान हो गया, मैं उनको भी विनम्रता के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

यदि मुख्यमंत्री जी परिचय कराएंगे तो आदरणीय सिंहदेव जी को बधाई कल देंगे ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे दो महानुभाव श्री विद्यारतन भसीन जी और भानुप्रताप सिंह जी के लिए निधन का उल्लेख किया है। श्री विद्यारतन भसीन जी, एक विचारधारा के प्रति उनका पूरा परिवार समर्पित रहा। सीधे-साधे, सरल, मृदुभाषी, एक ऐसा व्यक्तित्व जो पूरे जीवन जनसेवा में लगा रहा। जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा, इतनी गंभीर बीमारी होने के बाद भी जब उनको समय मिलता था, वे इस विधान सभा में आते थे, भले एक घंटे के लिए आए, दो घंटे के लिए आए, परंतु वे अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटे। उनकी दो पुत्रियां हैं, उनका कोई पुत्र नहीं है, उन्होंने उनकी पूरी सेवा की, हम सब लोग उनसे लगातार मिलते रहे। आज के समय में उनके जैसा राजनेता जिनको हमने कभी गुस्सा करते हुए नहीं देखा, जिनको कभी नाराज होते हुए नहीं देखा, बीमारी के समय में भी वे बहुत शालीनता के साथ सबसे बात करते थे और गंभीर से गंभीर बात को भी बहुत सरलता से कह जाते थे, हंसी मजाक की बात को भी वे बिना हंसे कह जाते थे, उनके बोलने के बाद हंसी आती थी। एक ऐसा व्यक्तित्व हमारे वर्तमान विधान सभा का

विधायक क्योंकि हम भूतपूर्व विधायकों को तो श्रद्धांजलि देते हैं परंतु वर्तमान विधायक हम सबके बीच से चला जाना, हम सबके लिए बहुत दुखद प्रसंग है। हम उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति मिले।

श्री भानुप्रताप सिंह जी, इस देश के लिए, इस प्रदेश के लिए, मध्यप्रदेश के लिए एक बहुत बड़ी संपत्ति थे। वे आज हमारे बीच नहीं हैं। उनके प्रति भी हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। ओम शांति।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 5वीं विधान सभा में आज हम अपने 5वें विधायक साथी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। पहले भीमा मण्डावी जी, आदरणीय जोगी जी, आदरणीय देवव्रत जी, भाई मनोज मण्डावी जी और आज अपने साथी विद्यारतन भसीन जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। वर्ष 1990 से मेरा भसीन जी से संपर्क था। शहरी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, भिलाई में ही लगभग-लगभग उनका जीवन रहा है। जब मेरा पहला परिचय 1990 में हुआ, उस समय भाटापारा में By Election हो रहा था और भाटापारा के By Election में वे आए थे और हमने उनकी ड्यूटी एक ग्रामीण क्षेत्र निपनिया में लगा दी थी। जहां ना जाने की सड़क थी, ना कोई रहने की व्यवस्था थी और यह तय हुआ था कि सबको वहीं रहना है, वे पार्टी के निर्देश पर गये और बिल्कुल एक झोपड़ी में लगभग 12 दिन रहकर ड्यूटी की, जहां Toilet की भी व्यवस्था नहीं थी, वे 12 दिन रहकर पार्टी का काम किए। मेरे बताने के पीछे भाव यह है कि पार्टी के प्रति उनका समर्पण का भाव था। मेरे को जो जिम्मेदारी दी गयी है, उस जिम्मेदारी को मैं पूर्ण करूंगा। पिछला विधान सभा का जो सत्र था, उसमें तय हुआ कि सारे विधायकों की उपस्थिति सुनिश्चित रहनी चाहिए, सभी विधायक विधान सभा में हाजिर रहेंगे। स्वास्थ्य गड़बड़ था, बहुत तकलीफ थी, उसके बाद विधान सभा में आये। मैंने उनसे पीछे बैठकर बात की, मैंने कहा भैया चेहरे में उदासी लग रही है, उन्होंने कहा कि मेरे को बहुत तकलीफ है। फिर हम लोगों ने निवेदन किया कि आपको आने की आवश्यकता नहीं है, आप आराम करिए, ट्रीटमेंट लीजिए। आज वे हमारे बीच नहीं है। भिलाई में महापौर के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। राजनीति में पक्ष विपक्ष लगा रहता है, पर उनके प्रति चाहे कोई किसी पार्टी का हो, मन में सम्मान का भाव बराबर रहता था।

माननीय भानुप्रताप सिंह जी से मेरे को मिलने का सौभाग्य कभी नहीं मिला। मैं दोनों हस्तियों के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे अपने श्री चरणों में स्थान दें। ओम शांति।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री (श्री मोहन मरकाम) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मृदुभाषी, मिलनसार, हंसमुख विद्यारतन भसीन जी लगातार वर्ष 2013 से हमारे साथ विधायक रहे हैं। जब हम विपक्ष में थे और उनसे मिलते थे तो उनमें थोड़ी भी घमण्ड नहीं थी कि मैं सत्ता पक्ष

का विधायक हूं। वह हमेशा मुस्कुराकर हम सब लोगों से मिलते थे। उनका अचानक जाना पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, रायगढ़ राजघराने से ताल्लुख रखने वाले भानुप्रताप सिंह जी, जो पूर्व में मध्य प्रदेश शासन में मंत्री भी रहे हैं, उनको भी मैं अपनी और अपने दल की ओर से शत्-शत् नमन करता हूं और उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी जी।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी (मस्तूरी) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय विद्यारतन भसीन जी आज हमारे बीच में नहीं रहें। मुझे सबसे बड़ा दु:ख इस बात का है कि वह मेरे ही बगल में बैठते थे और इसलिए मुझे उनका स्मरण आता है। उनकी सहजता और व्यवहार को न केवल इस सदन के लोग महसूस करते हैं बल्कि उनके वैशाली नगर विधान सभा क्षेत्र की जनता भी उनकी व्यावहारिकता से बहुत ही प्रसन्न थी। उनके निधन से उनके क्षेत्र की जनता को बहुत दु:ख हुआ। उनके क्षेत्र की जनता को उनके ऊपर जो विश्वास था, उनके निधन से उनको बहुत बड़ी ठेस पहुंची है। जब भी हम उनसे बातचीत करते थे तो उनकी बातचीत की शैली भी इतनी उच्च कोटि की थी कि जैसे बड़े भाई अपने छोटे भाई से बात करते हैं। उनके साथ हमारा ऐसा बहुत बड़ा अनुभव रहा है। मुझे इस बात का दु:ख रहेगा कि वह मेरे ही बगल में बैठते थे और आज वह हमारे बीच में नहीं हैं। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, भानुप्रताप सिंह जी वरिष्ठ नेता थे और वह राजघराने से थे। वह छत्तीसगढ़ के साहित्य के क्षेत्र में अपनी एक छाप छोड़कर गये हैं। मैं उनके प्रति भी अपने हद्य से श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- डॉ. रमन सिंह जी।

डॉ. रमन सिंह (राजनांदगांव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय विद्यारतन भसीन जी का निधन दिनांक 23 जून, 2023 को हुआ। विद्यारतन भसीन जी बहुत ही विनम्र, सरल और एक अद्भूत अनुशासित व्यक्ति थे। अंतिम दौर में जब उनका वेदान्ता में ईलाज चल रहा था तो मैं लगातार उनसे और उनके चिकित्सक के संपर्क में था। असाध्य बीमारी से पीड़ित होने के बाद भी उन्होंने कभी किसी को बताया नहीं कि उनकी तकलीफ और पीड़ा क्या थी? वह सीधे हॉस्पिटल से आकर विधान सभा में अपनी उपिस्थति देते थे। मैं उनको हमेशा समझाता था कि आपको विधान सभा आने की जरूरत नहीं है। आप जिस बीमारी से लड़ रहे हैं, उसमें अपनी पूरी शक्ति लगाइये। मगर वह अपने विधान सभा क्षेत्र के कर्तव्यों का पालन करते रहें। वर्ष 1980 से वह लगातार जिला मंत्री के दायित्व पर काम करते रहें। भिलाई नगर-निगम के महापौर की भूमिका को भी उन्होंने बहुत अच्छे से निभाया। वर्ष 2013 और 2018 में दो बार वैशाली नगर विधान सभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। वह इतने लोकप्रिय थे कि

उनकी अंत्येष्टी के कार्यक्रम के पहले जब हम लोग एकत्रित हुए तो मैंने देखा कि हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख व ईसाई सभी समाज के धर्मगुरूओं की वहां पर उपस्थिति थी। हमने ऐसे लोकप्रिय और सर्वमान्य नेता के रूप में विद्यारतन भसीन जी को देखा। मैं उनको अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय भानुप्रताप सिंह जी निश्चित रूप से उस पीढ़ी के नेता थे, जिन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विकास में अपनी भागीदारी निभाई। उन्होंने आदिम जाति कल्याण विभाग में भी मंत्री की हैसियत से काम किया। वह इंटक और सहकारिता आंदोलन में सक्रिय रहें। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में छात्र जीवन से लगातार सक्रियता दिखाई। मैं उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- मैं सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगतों के सम्मान में अब सदन कुछ देर के लिए मौन धारण करेगा।

**(सदन द्वारा खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया गया)**

अध्यक्ष महोदय :- दिवंगतों के सम्मान में सदन की कार्यवाही बुधवार, दिनांक 19 जुलाई, 2023 को प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

**(पूर्वाह्न 11 बजकर 26 मिनट पर विधान सभा की कार्यवाही बुधवार, दिनांक 19 जुलाई,** 2023 **(आषाढ़ 28, शक संवत् 1945) के पूर्वाह्न 11.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित हुई)**

**दिनेश शर्मा**
**सचिव**
**छत्तीसगढ़ विधान सभा**

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 18 जुलाई, 2023

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं